>

Title: Need to take steps to make the river Yamuna pollution free.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): राजधानी दिल्ली में इस वर्ष राष्ट्रमंडल खेल होने हैं, जिस कारण इस वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने का अनुमान है। लेकिन राजधानी दिल्ली से गुजरने वाली यमुना नदी की स्थिति अत्यन्त ही बदतर है। यमुना की सफाइ पर आज तक अरबों रूपया व्यय हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद भी यमुना प्रदूषित है। यमुना में 70 प्रतिशत प्रदूषण देश की राजधानी से हो रहा है, जबकि बाकी जिन शहरों से यमुना गुजरती है, उनमें से केवल 30 प्रतिशत से ही यमुना मैली होती है। स्थिति यह है कि राजधानी दिल्ली में यमुना वजीराबाद से लेकर दक्षिण में ओखला बैराज तक 22 कि.मी. के रेंज में प्रदूषित होकर नाले में परिवर्तित हो चुकी है। यमुना में 17 बड़े नाले गिरते हैं। इनमें सबसे ज्यादा गंदगी नजफगढ़ व शाहदरा ड्रेन से होती है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यमुना में लगातार प्रदूषण बढ़ने के कारण इस समय यमुना में बायॉलोजिकल आक्सीजन डिमांड (बीओडी) 41 मिलीग्राम प्रति लीटर है, जबकि मानकों के मुताबिक बीओडी लेवल 3 मिलीग्राम प्रति लीटर से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसी तरह यमुना में प्रदूषण फैलाने वाले कुल कॉलीफोर्म की संख्या 100 मिलीलीटर पानी में 5 हजार से कम ही रहनी चाहिए। इन्हीं के कारण यमुना में प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह राजधानी दिल्ली में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल को दृष्टिगत रखते हुए दिल्ली से गुजरने वाली यमुना नदी को प्रदूषण रहित बनाए जाने के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए।